UN INDIA VOLUNTEERS

International day of Non Violence (Gandhi Jayanti) celebration

Rajnandgaon:

The National UN Volunteers-India

International day of Non Violence - Gandhi and Shastri Jayanti celebrated in Yugantar. (Labour was donated under the leadership of the Principal)

Rajnandgaon: 2 October, Gandhi and Shastri Jayanti were celebrated at Yugantar Public School, a leading institution in the field of education in Central India. Students and teachers sang Gandhiji's favorite hymns.

There was immense support from Vinay Naidu, Akshay

Kehari, Akanksha Chaturvedi of the music department and Praveen Rajan of the dance department.

School Principal Abhishek Khandelwal, while mentioning the principles of Mahatma Gandhi Ji and Shastri Ji, told the students that if we adopt even one of their principles, beautiful and positive changes start happening in our lives. His principles of true non-violence are relevant even today.

Today in the world Gandhiji's likeness is taken with great pride. Due to this popular simile, Abdul Ghaffar Khan was named Seemant Gandhi. In the same vein, Mahatma was honored by naming Nelson Mandela as African Gandhi. He further told the students that if we want to understand all the principles of Mahatma Gandhi, then we should study his autobiography.

Similarly, to understand the simple lifestyle of Shastri ji, his biography should be studied. The entire public was impressed by Shastri ji's slogan 'Jai Jawan-Jai Kisan'. Similarly, Hindi Department Head VN Rai said that Mahatma Gandhi was the embodiment of world humanity. His principles were based on universal humanism, hence considering him as one country would not be a correct assessment of his immense personality. About Shastri ji, he

told that he had a fighting personality. At the end of the ceremony, emotional tributes were paid to both the great souls.

In this context, under the leadership of school principal Abhishek Khandelwal, teachers and children donated labor in the school premises. Cleared the premises of weeds and unnecessary grass. During this period, school PRO Dinesh

Pratap Singh and office staff also donated their work.

युगांतर में गाँधी एवं शास्त्री जयंती मनी

(प्राचार्य के अगुवाई में श्रम दान किया गया)

राजनांदगाँव 2 अक्टूबर। मध्य भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था युगांतर पब्लिक स्कूल में गांधी व शास्त्री जयंती मनायी गई । विद्यार्थियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने गाँधी जी के प्रिय भजनों का गायन किया । संगीत विभाग के विनय नायडू, अक्षय केहरि, आकांक्षा चतुर्वेदी, नृत्य विभाग के प्रवीण राजन का असीम सहयोग रहा।

विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक खन्डेलवाल ने महात्मा गाँधी जी व शास्त्री जी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि हम इनके एक सिद्धान्त भी अपना लेते हैं तो हमारे जीवन में सुन्दर व सकारात्मक परिवर्तन होना शुरू हो जाता है। उनके सत्य अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आज विश्व में गांधी जी की उपमा बड़े शान से ली जाती है। इसी प्रचलित उपमा को लेकर अब्दुल गफ्फार खान का नाम सीमांत गांधी पड़ा। इसी तारतम्य में नेल्सन मंडेला का नाम अफ्रीकी गांधी कहकर महात्मा को सम्मान दिया गया।

उन्होंने आगे विद्यार्थियों से कहा कि हमें महात्मा गाँधी जी के सारे सिद्धान्तों को समझना है तो हमें उनकी आत्मकथा अध्ययन करना चाहिए। इसी तरह शास्त्री जी की सरल जीवन शैली समझने के लिए उनकी जीवनी का अध्ययन करना चाहिए। शास्त्री जी के नारे 'जय जवान-जय किसान' से सारा जन मानस प्रभावित रहा। इसी तरह हिन्दी विभागाध्यक्ष वी एन राय ने कहा कि महात्मा गांधी विश्व मानवता की मूर्ति थे। उनके सिद्धांत सार्वभौम मानवतावाद पर आधारित थे, इसलिए उनको एक देश का मानना, उनके विराट व्यक्तित्व का सही आकलन नहीं

होगा। शास्त्री जी के बारे में उन्होंने बताया कि वे संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे। समारोह के अन्त में दोनों महान आत्माओं को भावभीनी श्रद्धान्जलि दी गई।

इसी संदर्भ में विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल की अगुवाई में शिक्षक-शिक्षिकाओं व बच्चों ने विद्यालय परिसर में श्रमदान किया। परिसर के खरपतवार व अनावश्यक उगे घासों को साफ किया। इस दौरान विद्यालय के पी आर ओ दिनेश प्रताप सिंह तथा ऑफिस स्टॉफ ने भी श्रमदान किया।

OCT 02

2023

GANDHI JAYANTI

YUGANTAR PUBLIC SCHOOL

International day of Non Violence

YUGANTAR PUBLIC SCHOOL, CHATTISGARH

United Nations

YUGANTAR PUBLIC SCHOOL

CBSE

Rajnandgaon
Chattisgarh

We are inspiration in action

UN INDIA VOLUNTEERS

UNDP

Empowered lives.
Resilient nations.

YUGANTAR
PUBLIC SCHOOL
CBSE AFFILIATION NO. 3330030

युगांतर में गाँधी एवं शास्त्री जयंती मनी
(प्राचार्य के अगुवाई में श्रम दान किया गया)

राजनांदगाँव 2 अक्टूबर। मध्य भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था युगांतर पब्लिक स्कूल में गांधी व शास्त्री जयंती मनायी गई । विद्यार्थियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने गाँधी जी के प्रिय भजनों का गायन किया । संगीत विभाग के विनय नायडू, अक्षय केहरि, आकांक्षा चतुर्वेदी, नृत्य विभाग के प्रवीण राजन का असीम सहयोग रहा।

विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक खन्डेलवाल ने महात्मा गाँधी जी व शास्त्री जी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि हम इनके एक सिद्धान्त भी अपना लेते हैं तो हमारे जीवन में सुन्दर व सकारात्मक परिवर्तन होना शुरू हो जाता है। उनके सत्य अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आज विश्व में गांधी जी की उपमा बड़े शान से ली जाती है। इसी प्रचलित उपमा को लेकर अब्दुल गफ्फार खान का नाम सीमांत गांधी पड़ा। इसी तारतम्य में नेल्सन मंडेला का नाम अफ्रीकी गांधी कहकर महात्मा को सम्मान दिया गया। उन्होंने आगे विद्यार्थियों से कहा कि हमें महात्मा गाँधी जी के सारे सिद्धान्तों को समझना है तो हमें उनकी आत्मकथा अध्ययन करना चाहिए। इसी तरह शास्त्री जी की सरल जीवन शैली समझने के लिए उनकी जीवनी का अध्ययन करना चाहिए। शास्त्री जी के नारे 'जय जवान-जय किसान' से सारा जन मानस प्रभावित रहा। इसी तरह हिन्दी विभागाध्यक्ष वी एन राय ने कहा कि महात्मा गांधी विश्व मानवता की मूर्ति थे। उनके सिद्धांत सार्वभौम मानवतावाद पर आधारित थे, इसलिए उनको एक देश का मानना, उनके विराट व्यक्तित्व का सही आकलन नहीं होगा। शास्त्री जी के बारे में उन्होंने बताया कि वे संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे। समारोह के अन्त में दोनों महान आत्माओं को भावभीनी श्रद्धान्जलि दी गई।

इसी संदर्भ में विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल की अगुवाई में शिक्षक-शिक्षिकाओं व बच्चों ने विद्यालय परिसर में श्रमदान किया। परिसर के खरपतवार व अनावश्यक उगे घासों को साफ किया। इस दौरान विद्यालय के पी आर ओ दिनेश प्रताप सिंह तथा ऑफिस स्टॉफ ने भी श्रमदान किया।

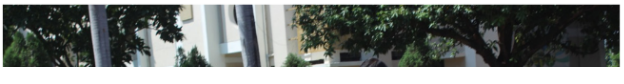

Rajnandgaon: 2 October, Gandhi and Shastri Jayanti were celebrated at Yugantar Public School, a leading

institution in the field of education in Central India. Students and teachers sang Gandhiji's favorite hymns.

There was immense support from Vinay Naidu, Akshay Kehari, Akanksha Chaturvedi of the music department and Praveen Rajan of the dance department.

School Principal Abhishek Khandelwal, while mentioning the principles of Mahatma Gandhi Ji and Shastri Ji, told the students that if we adopt even one of their principles, beautiful and positive changes start happening in our lives. His principles of true non-violence are relevant even today.

Today in the world Gandhiji's likeness is taken with great pride. Due to this popular simile, Abdul Ghaffar Khan was named Seemant Gandhi. In the same vein, Mahatma was honored by naming Nelson Mandela as African Gandhi. He further told the students that if we want to understand all the principles of Mahatma Gandhi, then we should study his autobiography.

Similarly, to understand the simple lifestyle of Shastri ji, his biography should be studied. The entire public was impressed by Shastri ji's slogan 'Jai Jawan-Jai Kisan'. Similarly, Hindi Department Head VN Rai said that Mahatma Gandhi was the embodiment of world humanity. His principles were based on universal humanism, hence considering him as one country would not be a correct assessment of his immense personality. About Shastri ji, he told that he had a fighting personality. At the end of the ceremony, emotional tributes were paid to both the great souls.

In this context, under the leadership of school principal Abhishek Khandelwal, teachers and children donated labor in the school premises. Cleared the premises of weeds and unnecessary grass. During this period, school PRO Dinesh Pratap Singh and office staff also donated their work.